प्रश्नपत्र–19
लोक-साहित्य

100 अंक

निर्देश : सैद्धांतिक बिंदुओं का सामान्य परिचय अपेक्षित है। लोकगीतों की प्रस्तुतियाँ और लोकनाट्य के प्रदर्शनों को सुनने-देखने का अवसर छात्र-छात्राओं के लिए उपयोगी होगा।

1. **लोक साहित्य की अवधारणा :**
लोक साहित्य का सामान्य परिचय ; लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य का संबंध ; लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति का संबंध ; लोकसाहित्य के विविध रूप - लोकगीत, लोककथा, लोक गाथाएँ, लोकनाट्य, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ-बुझौवल और मुहावरे ; हिंदी प्रदेश की जनपदीय बोलियों और उनके क्षेत्रों का परिचय ; लोकसाहित्य और समाज।

2. **लोकगीत :** सामान्य परिचय, वाचिक और मुद्रित

(क) **संस्कार गीत**

सोहर भोजपुरी : भोजपुरी संस्कार गीत - श्री हंस कुमार तिवारी - बिहारी राष्ट्रभाषा परिषद, पृ.8, गीत संख्या-4

सोहर अवधी - हिंदी प्रदेश के लोकगीत - कृष्ण देव उपाध्याय - पृ. 110, 111 साहित्य भवन, इलाहाबाद

यज्ञोपवीत - कुमाउंनी - भारतीय लोक साहित्य ; परंपरा और परिदृश्य - विद्या सिन्हा, पृ. 88-89

विवाह - भोजपुरी - भारतीय लोक साहित्य : परंपरा और परिदृश्य विद्या सिन्हा, पृ. 116

छत्तीसगढ़ी - भारतीय लोक साहित्य परंपरा और परिदृश्य : विद्या सिन्हा, पृ. 103

हरियाणवी - हरियाणा की लोक संस्कृति : डॉ. विष्णुदत्त भारद्वाज, पृ. 173

(ख) **ऋतुसंबंधी गीत**

1. **बारहमासा - राजस्थानी** हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य : शंकर लाल यादव, पृ 231
2. **होली - ब्रज** - हिंदी प्रदेश के लोकगीत : कृष्ण देव उपाध्याय, पृ. 205
3. **फागुन हरियाणी** - हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य : शंकर लाल यादव, पृ 231
4. **चैती भोजपुरी** - वाचिक कविता : भोजपुरी : पं. विद्या निवास मिश्र, पृ 51
5. **कजली - भोजुपरी** - वाचिक कविता : भोजपुरी : पं. विद्या निवास मिश्र, पृ 49

(ग) श्रमसंबंधी गीत

कटनी के गीत, अवधी 2 **गीत** - हिंदी प्रदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय, पृ 134, 135

जंतसारी : भोजपुरी - भारतीय लोक साहित्य परंपरा और परिदृश्य, विद्या सिन्हा, पृ. 140, 141

हरियाणी : ईख निराई

विविध गीतः घुघुति - कुमाउंनी : कविता कौमुदी : ग्रामगीत : पं. रामनरेश त्रिपाठी, पृ 802, 803

मंगलगीत - गढ़वाली : कविता कौमुदी : ग्रामगीत, पं. रा. न. त्रिपाठी, पृ 801-802

3. लोककथाएँ एवं लोकगाथाएँ विधा का सामान्य परिचय और प्रसिद्ध लोकगाथाओं आल्हा और लोरिक की सामान्य चर्चा

मैथिली लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास, पं. राहुल सांकृत्यायन, पृ. 10, 11

सोलहवाँ भाग

मालवी लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास, पं. राहुल सांकृत्यायन, पृ. 461-462

अवधी लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास, पं. राहुल सांकृत्यायन, पृ. 187-188

भोजपुरी लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास, पं. राहुल सांकृत्यायन, पृ. 92

4.लोक नाट्य

विधा का परिचय, विविध भाषा क्षेत्रों के विविध नाट्यरूप और शैलियाँ, उदाहरण- रामलीला; मालवा का नाच; राजस्थान का ख्याल, उत्तर प्रदेश की नौटंकी, भांड, रासलीला; बिहार-विदेसिया; हरियाणा-सांग

(क)पाठः संक्षिप्त पद्मावत सांग रागनी संख्या

1,3,6,7,8,13,14,17,18,19,28,34,37,38,43,58,60,67. (लखमीचंद ग्रंथावली, सं. प्रो. पूरनचंद शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़)

(ख)बिदेसिया : भिखारी ठाकुर कृत लोकनाट्य

(ग)पंडवानी : तीजन बाई

प्रश्न पत्र का अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	-	14x3	=	42
रचना कौशल व व्याख्या	-			
आधारित प्रश्न	-	9x2	=	18
टिप्पणी	-	8+7	=	15
				75

प्रमुख अध्ययन सामग्री :

1. हिंदी प्रदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय
2. हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य : शंकर लाल यादव
3. मीट माई पीपल : देवेन्द्र सत्यार्थी
4. मालवी लोक साहित्य का अध्ययन : श्याम परमार

अन्य सहायक पुस्तकें

1. रसमंजरी – सुचिता रामदीन– महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस
2. हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास, पं. राहुल सांकृत्यायन, सोलहवाँ भाग
3. वाचिक कविता : भोजपुरी : प. विद्यानिवास मिश्र
4. भारतीय लोक साहित्य : परंपरा और परिदृश्य - विद्या सिन्हा
5. कविता कौमुदी : ग्रामगीत : पं. रामनरेश त्रिपाठी
6. लखमीचंद का काव्य-वैभव : हरिचन्द्र बंधु
7. सूत्रधार : संजीव
8. हिन्दी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन : हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन
9. मध्यप्रदेश लोक कला अकादमी की पत्रिका – चौमासा